हिंदी भवन संदेश

(हिंदी प्रचारिणी सभा का सूचना-पत्र)
लोंग माउंटेन – मॉरीशस

NEWSLETTER

Website : hindipracharinisabha.com --- E.Mail: hindipracharinisabha@hotmail.com

वर्ष 6 | अंक 16 | जुलाई 2015 | संपादक / टंकन / सज्जा : यंतुदेव बुधु | भाषा गई तो संस्कृति गई

सम्पादकीय

भाषा, धर्म और संस्कृति !

हिंदुओं के लिए भाषा, धर्म और संस्कृति का संबंध एक-दूसरे से बहुत निकट का रहा है । जबकि दूसरी भाषाओं के लिए ऐसी बात कहाँ ! भाषा, धर्म और संस्कृति एक त्रिकोण की तरह है जिसमें एक के बिना दूसरे का कोई अस्तित्व नहीं रह जाता है । हिंदी भाषा सीखते समय हम अपने धर्म तथा अपनी संस्कृति की बातें साथ-साथ सीखते हैं । हिंदी भाषा सिखाते समय बच्चों को त्योहारों के बारे में, पूजा-पाठ के बारे में, रहन-सहन, चाल-ढाल तथा आदर-भाव की बातें अवश्य ही बतायी जाती हैं । धर्म और संस्कृति हिंदी भाषा से अलग नहीं है । बल्कि भाषा तो धर्म तथा संस्कृति की वाहिका है जो अपने साथ लिए चलती है ।

बच्चों के लिए हिंदी भाषा सीखने पर रोक नहीं लगानी चाहिए । हिंदी भाषा अन्य विषयों के लिए हानिकारक कभी नहीं हो सकती है जैसा कि कुछ लोग समझते हैं । बल्कि हिंदी भाषा के साथ-साथ उन्हें धर्म तथा संस्कृति की अधिक जानकारी प्राप्त होगी । भाषा और संस्कृति का अविच्छेद संबंध होता है । संस्कृति के निर्माण में भाषा की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है । यदि भाषा पर कहीं से कोई प्रभाव पड़ता है तो संस्कृति भी अप्रभावित नहीं रह सकती है । संस्कृति के निमार्ण और विकास में भाषा का महत्वपूर्ण योगदान सदा ही रहा है ।

आजकल तो हिंदू-धर्म प्रचारक कृओली में भाषण देने लगे हैं । मैं तो ऐसा समझता हूँ कि अगर जनता हिंदी फिल्में देख-समझ लेते हैं तो क्या उन्हें पुरोहितों की हिंदी भाषा समझने में कठिनाई होगी ! ऐसा नहीं मान सकते । धर्म-प्रचार के साथ-साथ भाषा का भी प्रचार होना सम्भव है । हमारा निवेदन आप पंडित-पुरोहितगण से है कि इस बात पर विचार किया जाए ।♦

यंतुदेव बुधु
प्रधान-हिंदी प्रचारिणी सभा

इस अंक में पढ़िए :-

1. सम्मेलन-परीक्षा फल 2014 पृष्ट 2
2. प्रथम दस में स्थान प्राप्त छात्रों के नाम पृष्ट 2
3. स्थापना दिवस / कवि सम्मेलन पृष्ट 2
4. हिंदी प्रचारिणी सभा की चार शाखाएँ पृष्ट 3
5. चित्रावली-स्थापना दिवस पृष्ट 3
6. उत्तमा को मान्यता प्राप्त है पृष्ट 4
7. आवेदन के लिए निर्धारित नियम पृष्ट 4

कविता वाचन प्रतियोगिता 2015

इस वर्ष की कविता वाचन प्रतियोगिता के प्रथम चरण का आयोजन ता.16 मई को देश के तीन केंद्रों में हुआ । दक्षिण प्रांत के लिए मॉरीशस कालेज, क्यूर्पिप में । पूर्व प्रांत के छात्रों के लिए मोडर्न कालेज में तथाउत्तर प्रांत के छात्रों के लिए हिंदी भवन, लोंग माउंटेन में । पिछले वर्ष के मुकाबले, इस वर्ष प्रतियोगियों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है । यह भी देखने को मिला कि इस बार लड़कों ने भी जमकर भाग लिया है । इस वर्ष लगभग सौ छात्र इस प्रतियोगिता में सम्मिलित हुए । इस आयोजन के पीछे सभा का यही उद्देश्य रहा है कि छात्रों को काव्य की ओर प्रोत्साहित किया जाए ।

अंतिम चरण के लिए दस श्रेष्ठ प्रतियोगियों को चुना गया जिन्होंने 20 जून को हिंदी भवन में अंतिम चरण में भाग लिया । अंतिम चरण के नतीजे इस प्रकार हैं :-

1. जय प्रकाश शर्मा सुकन
2. जेमिमा बुधन
3. खुशबू नावजी
4. शिवनिता लछमी
4. गुणशाली मधु
4. दिविष्ट ज्ञानी
4. रक्षा रामभरोस
4. केशमी भरोसा
4. आशी एमरीत
4. खुशबू मंगला

कविता वाचन प्रतियोगिता के विजेता

उक्त सभी प्रतियोगी पुरस्कृत होंगे जिनमें से तीन को श्रेष्ठ को चुना गया तथा बाकी सात प्रतियोगियों को सांत्वना पुरस्कार दिए जाएँगे । इन विजेताओं को बधाई है । ये 22 अगस्त को हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित उत्सव के दौरान पुरस्कृत होंगे । ◆

सम्मेलन-परीक्षा फल 2014

वर्ष 2014 में सम्मेलन की परीक्षाओं में भाग लेने वालों की संख्या तथा सफलता की दर सराहनीय रही। परीक्षा फल प्राप्त होने में थोड़ी देरी हई, कारण यह कि हिंदी साहित्य सम्मेलन-इलाहबाद के कर्मचारियों के लिए इस बीच एक महीने की छुट्टी थी। छात्रों को परीक्षा फल प्रेषित कर दिए गए। सम्मेलन की परीक्षाओं के आँकड़े इस प्रकार हैं :-

कक्षा	छात्र	सफल	प्रतिशत
परिचय	596	514	86 %
प्रथमा	369	350	95 %
मध्यमा	258	238	92 %
उत्तमा I	250	219	91 %
उत्तमा II	163	159	96 %
उत्तमा III	160	154	96 %

प्रथम दस में स्थान प्राप्त छात्रों के नाम

परिचय :

1. इतेश्वरी सोआ भिकारी — ला रोज़ा, न्यू ग्रोव
2. द्रुति रिकाय — पेची वेरजे, सें प्येर
3. भारती दुहुनारायण — कात्र कोको
4. भुमेश कुमार सिताराम — ले होशे, तेर रूज़
5. आशिका निर्मल — दागोत्येर
6. हिरेशी द्वारकन — सोलफेरिनो, वाक्वा
7. शांता कुमारी सिगुलाम — ओलिये, कात्र बोर्न
8. तेमेशी रामाशिर — कारो लालियान
9. दिव्या सिऊपाल — शामुनी
10. भारगवी राजकुमार — कात्र बोर्न

प्रथमा :

1. यशनवी देवी बादल — दागोच्येर
2. संजना नागजी कूरजी — मार दालबेर
3. पुजिला कुमारी गिरधारी — वाक्वा
4. तानिष्टा गोकुलसिंह — सोल्फेरिनो, वाक्वा
5. वन्दना धनपत — सोल्फेरिनो, वाक्वा
6. त्रिषा देवी दुख्रुआ — क्वीन विक्तोरिया
7. भावना उचित — न्यू ग्रोव
8. लीना सुधू — सेबासतोपोल
9. निश्मा बिसम्बर — रोज़ हिल
10. त्रिषा रोहोना — सें प्येर

मध्यमा :

1. पृथ्वी खेद् — प्लेन मांयाँ
2. निधि निर्मल — पाल्मा, कात्र बोर्न
3. कीर्ति जोनकी — ग्राँ बुआ
4. शिवानी भावनोत — ग्रो बियो, न्यू ग्रोव
5. सत्यवीर कुन्जा — वेर दें
6. नर्वदा देवी खुबलाल — मार दालबेर
7. अरूषा बकतोवर — पाल्मा, कात्र बोर्न
8. भावना देवी बिसुनदयाल — ग्राँ बुआ
9. हितैषी दावन — ग्राँ पोर
10. मंदिरा एलिकल संधू — पाल्मा, कात्र बोर्न

उत्तमा (साहित्य रत्न) :

1. लक्षणा रघुबर — वाले दे प्रेत
2. हष्णासिंह कानदाय — रिव्येर जी रॉपार
3. मिताशा मोहन — रिव्येर जी रॉपार
4. प्रधा चोयतन — ग्राँ पोर
5. जयेशना बन्धु — फेनिक्स
6. काविना देवी बिहारी — लालोरा
7. जयलक्ष्मी रागनाथ — कारो लालियान
8. पूजा नेम — गुड लेंस
9. भाविषा मितवा — प्लेन मांयाँ
10. इश्ता भोयरब — नोत्र दाम

हर वर्ष की तरह उत्तीर्ण छात्रों को अगस्त महीने में आयोजित हिंदी दिवस के अवसर पर पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र वितरण किए जाएँगे। हर कक्षा के लिए प्रथम स्थान प्राप्त छात्र को नकद राशि भी प्रदान की जाती है जो इस प्रकार है :

परिचय	1500 रुपये
प्रथमा	2000 रुपये
मध्यमा	3000 रुपये
उत्तमा	4000 रुपये

स्थापना दिवस / कवि सम्मेलन

छात्रा भावना जावरी कार्यक्रम का संचालन करती हुई।

हिंदी प्रचारिणी सभा का स्थापना दिवस 13 जून को हिंदी भवन में मनाया गया। इस अवसर पर दो कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। हमेशा की तरह हिंदी भवन विद्यालय के छात्रों के लिए सुबह में एक साहित्यिक गोष्ठी रखी गई तथा अपराह्न में सवा एक बजे हमारे स्थानीय कवियों के लिए एक कवि सम्मेलन का भी आयोजन हुआ। प्रथम कार्यक्रम (साहित्यिक गोष्ठी) हमारे देश के विख्यात साहित्यकार श्री अभिमन्यु अनत पर आधारित श्री रामदेव धुरंधर (हमारे विशेष वक्ता) ने अपना विचार दिया जिससे छात्र काफ़ी लाभांवित हुए। गोष्ठी शुरू होने से पहले छात्रों द्वारा सभा के मुख्य दाता श्री रामदास रामलखन की प्रतिमा को एक पुष्पमाला अर्पित की गई।

स्थापना दिवस का दूसरा कार्यक्रम कवि सम्मेलन रहा जो आई. जी. सी. आई. सी. के सहयोग से "साहित्य संवाद गोष्ठी" के अन्तर्गत हिंदी भवन में आयोजित हुआ। उत्सव के अध्यक्ष पद पर डॉ. इन्द्रदेव भोला इन्द्रनाथ आसीन थे। अवसर की मुख्य अतिथि भारतीय उच्चायोग के द्वितीय सचिव डॉ. श्रीमती नूतन पाण्डेय थीं। अन्य कई महानुभाव उत्सव में शामिल थे। कवि सम्मेलन का संचालन डॉ. हेमराज सुन्दर कर रहे थे। उपस्थित हिंदी प्रेमियों ने कवियों की कविताओं का खूब रसास्वादन किया जिनमें एक से एक बढ़कर स्थानीय कवि मौजूद थे। ■

बाएँ से : श्री धनराज शम्भु, श्री गुलशन सुखलाल, डॉ. इन्द्रदेव भोला इंद्रनाथ, डॉ. श्रीमती नूतन पांडेय, श्री यंतुदेव बुधु तथा डॉ. हेमराज सुन्दर।

हिंदी प्रचारिणी सभा की चार शाखाएँ

हिंदी प्रचारिणी सभा–लोंग माउंटेन की देश भर में चार शाखाएँ हैं। प्रथम शाखा मॉरीशस के दक्षिण में, रिव्येर दे जाँगी गाँव में है। दूसरी शाखा ग्लेन पार्क, वाक्वा में पाई जाती है। तीसरी शाखा देश के पूर्व में, ला लूसी रॉय–बे लेर गाँव में है तथा चौथी शाखा उत्तर प्रांत के प्लेन दे पापाय गाँव में।

ये जमीन हिंदी प्रचारिणी सभा की सम्पत्ति है जो सभा के नाम है। सभा ने उन्हीं गाँवों के सभा–समाज के लोगों को हिंदी–स्कूल चलाने की ज़िम्मेवारी दी है जहाँ पर सायंकालीन या सप्ताहांत स्कूल में गाँव के बच्चे हिंदी भाषा सीखने जाते हैं। साथ में उन बैठकाओं में धार्मिक तथा सामाजिक कार्य भी किए जाते हैं। ♦

(रिव्येर दे जाँगी शाखा नं. 1) कोषाध्यक्ष रामदीन जी वहाँ के अधिकारी के साथ

(शाखा नं. 2) उप–प्रधान तथा कोषाध्यक्ष अध्यापिका श्रीमती बुध के साथ।

शाखा नं. 3 – ला लूसी रॉय, बेल एर) शाखा नं. 4 – प्लेन दे पापाय

चित्रावली – स्थापना दिवस

छात्रा योशिता खूबलोल श्रद्धांजलि स्वरूप गिरधारी भगत की प्रतिमा को माला अर्पित करती हुई।

कवि सम्मेलन के अवसर पर डॉ इंद्रदेव भोला इंद्रनाथ अध्यक्षीय भाषण देते हुए।

भारतीय उच्चायोग की द्वितीय सचिव डॉ. श्रीमती नूतन पाण्डेय कविता सुनाती हुई।

सभा के प्रधान श्री यंतुदेव बुधु उत्सव के अध्यक्ष डॉ. भोला जी का स्वागत करते हुए।

सभा की सदस्या श्रीमती कामिनी रघुबर डॉ. नूतन पाण्डेय का स्वागत करती हुई।

डॉ. सुन्दर डॉ. नूतन पाण्डेय को पुस्तक भेंट करते हुए। श्री रामदेव धुरंधर छात्रों को संबोधित करते हुए।

उत्तमा (साहित्य रत्न) को वर्ष 2004 से सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है !

1.हिंदी प्रचारिणी सभा की माँग पर वर्ष 2004 से मॉरीशस के शिक्षा मंत्रालय के नैशनल आक्रेडिटेशन एक्वीवालेंस काउंसिल ने उत्तमा (साहित्य रत्न) को "डिप्लोमा इन हिंदी" का दर्जा दिया है । अत : सरकार द्वारा उत्तमा के प्रमाण पत्र को मान्यता प्राप्त है । छात्र उत्तमा के प्रमाण पत्र से तीन वर्ष के बदले दो वर्षों में ही विश्वविद्यालय में हिंदी का डिग्री कोर्स पूरा कर सकते हैं । यह छात्रों के लिए एक शुभ समाचार है और प्रेरणादायक बात भी है तथा उत्तमा तक परीक्षाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहन भी है ।

2. छात्रों के लिए दूसरा शुभ समाचार यह है कि महात्मा गांधी संस्थान ने भी सभा की दो माँगें स्वीकार की हैं । सब से पहले यह कि डिग्री कोर्स के आवेदन के लिए वहाँ उत्तमा के प्रमाण पत्र का पूर्वाधिकार (Preference) होगा । दूसरी बात यह कि वहाँ नौकरी के लिए अन्य प्रमाणों के साथ उत्तमा के प्रमाणपत्र को भी मान्यता दी जा रही है । ♦

(उक्त चर्चित बातों पर संस्थाओं से प्राप्त पत्र पढ़िए)

MINISTRY OF EDUCATION AND SCIENTIFIC RESEARCH
MAURITIUS

National Accreditation & Equivalence Council
2nd Floor, IVTB House, Pont Fer, Phoenix, Tel No.: 601-5292, Fax No: (230) 686 8704

In reply please quote:

ME/NAEC/1/128 11 October, 2004

Hindi Pracharini Sabha
Hindi Bhawan Road
Long Mountain

Dear Sir,

Recognition/Equivalence of qualification

Please refer to your letter dated 27 October, 2001 on the above subject.

2. Your request was examined at the National Accreditation & Equivalence Council meeting held on Tuesday 31 August, 2004 and the committee decided that the Uttama/ Sahitya Ratna is recognised as a Diploma in Hindi.

3. The above decision was ratified at the National Accreditation & Equivalence Council meeting held on Thursday 30 September, 2004.

Yours faithfully,

(C. Dupont) Mrs
for National Accreditation & Equivalence Council

NAEC

Mahatma Gandhi Institute
Moka – Mauritius

Tel. 403 2000
Fax No. (230) 433 2235
Website: http://www.mgirti.org
Email: vkoonjal@intnet.mu

In Reply Please Quote: MGI: B14.15

Your Ref. .....

Date: 07 January 2015

The President
Hindi Pracharini Sabha
Hindi Bhawan Road
Long Mountain

Dear Sir

Your letter dated 03 May 2014 refers.

We thank you for the appreciation of the work done at the Mahatma Gandhi Institute for the promotion of Hindi Language and Literature in Mauritius.

The Academic Co-ordination Committee of the Mahatma Gandhi Institute has considered the request and we wish to inform you that consideration is already given to candidates possessing the Uttama qualifications for both enrolment to the BA (Hons) Hindi programme and for employment of Educator (Secondary) at the Mahatma Gandhi Institute.

Yours faithfully

Dr (Mrs) V D Koonjal
Director (MGI)

हिंदी प्रचारिणी सभा द्वारा आयोजित परीक्षाओं के आवेदन हेतु निर्धारित नियम ।

1. प्रवेशिका – छठी कक्षा का प्रमाणपत्र
2. परिचय – प्रवेशिका या फोर्म II में हिंदी
3. प्रथमा – परिचय या फोर्म III में हिंदी
4. मध्यमा – प्रथमा या एस. सी. में हिंदी
5. उत्तमा प्रथम खण्ड – मध्यमा या एच.एस.सी में हिंदी
6. उत्तमा द्वितीय खण्ड – उत्तमा प्रथम खण्ड
7. उत्तमा तृतीय खण्ड – उत्तमा द्वितीय खण्ड

नोट : उत्तमा (साहित्य रत्न) तीन वर्षों की परीक्षा है । अत : तीनों खण्डों को पूरा करने के बाद ही प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है । तीनों खण्डों के अंकों को जोड़कर ही सम्मेलन से उत्तमा III का परीक्षा फल प्राप्त होता है ।